राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता परियोजना (फेज–2)

JICA द्वारा ऋण एवं राज्य सरकार की वित्तीय सहायता से संचालित

संवाद पत्र

अंक - 4 अक्टूबर से दिसम्बर 2016

जाइका (JICA) मिशन द्वारा परियोजना गतिविधियों का अवलोकन

(बाएं से) श्री संजय प्रकाश भादू (उप परियोजना निदेशक, वनीकरण), श्री महेन्द्र सिंह (डीसीएफ, वाईल्ड लाईफ जोधपुर), श्री नरेश शर्मा (वरिष्ठ परियोजना प्रबंधक) सुश्री साचिको इमटो,(सीनियर रिप्रेजेन्टेटिव, जाइका इंडिया), सुश्री युकारी इनागाकी (प्रोग्राम स्पेशलिस्ट, जाइका इंडिया), श्री अनुराग सिन्हा (लीड डेवलपमेंट स्पेशलिस्ट, जाइका इंडिया) एवं श्री दिनेश कुमार राना (वरिष्ठ परियोजना प्रबंधक)

JICA इंडिया के तीन सदस्ययी मिशन द्वारा दिनांक 17 से 21 अक्टूबर के दौरान राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता परियोजना–2 के क्षेत्रों का भ्रमण किया। इस दल में जाइका इंडिया की सीनियर रिप्रेजेन्टेटिव सुश्री साचिको इमटो, लीड डेवलपमेंट स्पेशलिस्ट श्री अनुराग सिन्हा एवं प्रोग्राम स्पेशलिस्ट सुश्री युकारी इनागाकी शामिल थे।

दल के सदस्यों ने जोधपुर, जैसलमेर, पाली एवं जयपुर में वन सुरक्षा एवं प्रबंध समितियों/पारिस्थितिकी विकास समितियों के सदस्यों से मुलाकात की तथा परियोजना गतिविधियों के क्रियान्वयन का निरीक्षण किया गया। दल ने माचिया बायोलॉजिकल पार्क एवं नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क का अवलोकन भी किया तथा भ्रमण के अंत में दल के सदस्यों द्वारा परियोजना निदेशालय में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर परियोजना की प्रगति की समीक्षा की गई।

वर्तमान भ्रमण के एवं पूर्व में निष्पादित इम्पैक्ट असेसमेंट स्टडी के अनुभवों के आधार पर JICA मिशन द्वारा निम्न सुझाव दिये गये :

परियोजना निदेशक की कलम से ...

चालू वित्तीय वर्ष की तीसरी तिमाही में ज्यादा जोर सॉफ्ट स्किल गतिविधियों पर रहा। समितियों एवं स्वयं सहायता समूहों की क्षमता संवर्धन एवं सांस्थानिक सुदृढ़ता के लिए अनेक कदम उठाये गए।

इसी तिमाही में जाइका मिशन द्वारा परियोजना गतिविधियों का फील्ड में अवलोकन किया गया तथा अब तक की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया गया। मिशन द्वारा दिए गए सुझावों पर अमल किया जा रहा है।

एक महत्वपूर्ण उपलब्धि जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण में हुई जहाँ राज्य जल संसाधन आयोजना विभाग के तकनीकी सलाहकार समिति द्वारा 225 एनीकट निर्माण के प्रस्तावों का अनुमोदन इस तिमाही में किया गया। सभी अनुमोदित एनीकट का निर्माण इस वर्ष के अंत तक पूर्ण किया जायेगा।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि वित्त वर्ष की समाप्ति तक हम अपने निर्धारित लक्ष्य प्राप्त कर लेंगे।

आप सभी को नव वर्ष की शुभकामनायें ...

– **आर.के. गोयल** (आई.एफ.एस).
परियोजना निदेशक

- समस्त वृक्षारोपण साइटों पर पूर्ण रूप से संधारित प्लांटेशन जर्नल रखने के लिए मिशन ने अनुरोध किया।
- प्रत्येक साइट पर ट्रांसपेरेंसी बोर्ड (पारदर्शिता पट्ट) लगवाना सुनिश्चित किया जाए।
- परियोजना अन्तर्गत बनाये गए सभी मीटिंग सेण्टर की बाहरी दीवारों पर उस समिति के कार्यों का सम्पूर्ण उल्लेख हो।
- JICA मिशन ने सभी समितियों द्वारा माइक्रोप्लान की समय समय पर पुनः समीक्षा करने की आवश्यकता बताई। जिससे माइक्रोप्लान में वर्णित सभी विकास कार्यों को क्रियान्वित करने के प्रयास किये जा सकें।
- मिशन ने अन्य सरकारी योजनाओं से अभिसरण (कन्वर्जेन्स) कर उन कार्यों को पूरा करने के लिए कहा जिनके लिए परियोजना में प्रावधान नहीं है और जो गांव के समग्र विकास के लिए आवश्यक है।
- समितियों/स्वयं सहायता समूहों द्वारा समयबद्ध लेखा संधारण सुनिश्चित करने के लिए भी मिशन द्वारा अवगत करवाया गया।

अपने दौरे के दौरान मिशन ने जैसलमेर में डेजर्ट नेशनल पार्क में गोडावण के संरक्षण के लिए किये जा रहे कार्यों का अवलोकन किया। इस दौरान 5 गोडावण को पार्क में विचरण

आईजीएनपी स्टेज-।। जैसलमेर में वृक्षारोपण का निरीक्षण करते हुए जाइका मिशन के सदस्य

जाइका मिशन के सदस्य डीएनपी में श्री गोविन्द सागर भारद्वाज (मुख्य वन संरक्षक) के साथ

जोधपुर में जाइका मिशन के साथ परियोजना प्रगति पर चर्चा करते हुए विभिन्न म.प्र.ई. के अधिकारी एवं एनजीओ प्रतिनिधी

करते हुए देखकर मिशन द्वारा प्रसन्नता व्यक्त की गई।

जोधपुर में माचिया बायोलॉजिकल पार्क के भ्रमण के दौरान वहां की पथरीली जमीन पर पेड़ उगाने के विभाग के अभिनव प्रयास को मिशन सदस्यों ने सराहा।

जयपुर स्थित नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में लगे हुए आकर्षक सूचना पट्टों की भी मिशन ने तारीफ की तथा पार्क की गतिविधियों को संचालित करने में ई डी सी एवं स्वयं सहायता समूहों की भागीदारी पर हर्ष प्रकट किया।

फील्ड में परियोजना गतिविधियों के क्रियान्वयन के अवलोकन के पश्चात् दल के सदस्यों एवं परियोजना निदेशक श्री आर.के. गोयल ने सचिवालय में श्री निहाल चन्द गोयल, अतिरिक्त मुख्य सचिव (वन एवं पर्यावरण) को जाइका की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी तथा फील्ड के अपने अनुभवों को साझा किया। इसके बाद परियोजना निदेशालय में परियोजना निदेशक श्री आर के गोयल, संयुक्त परियोजना निदेशक श्री अक्षय सिंह, उप परियोजना निदेशक (प्रशासन) श्री आर के खैरवा, उप परियोजना निदेशक (वनीकरण) श्री संजय प्रकाश भादू तथा परियोजना के अन्य अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

नाहरगढ़ बायलॉजिकल पार्क में डीसीएफ श्रीमती आकांक्षा चौधरी के साथ मिशन दल

परियोजना निदेशालय में समीक्षा बैठक

जीआईएस आधारित प्रबोधन एवं मूल्यांकन प्रक्रिया को समझते हुए मिशन के सदस्य

परियोजना सलाहकार द्वारा क्षेत्र भ्रमण

व.सु.प्र.स. शेखसर, बीकानेर में स्वयं सहायता समूह के साथ चर्चा

कानसिंह की सीड, जोधपुर में व.सु.प्र.स. सदस्यों के साथ बैठक

माह नवम्बर एवं दिसम्बर के दौरान परियोजना प्रबंधन सलाहकार दल के सामुदायिक संगठन एवं क्षमता संवर्धन विशेषज्ञ श्री मनोज पट्टनायक द्वारा जयपुर (दक्षिण), जयपुर (उत्तर), वन्यजीव करौली, नागौर, वन्यजीव जोधपुर, सिरोही, चूरू, डीडीपी बीकानेर, डूंगरपुर एवं बांसवाड़ा मंडल प्रबंधन इकाईयों का दौरा किया गया तथा गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु क्षेत्रीय अधिकारियों एवं एनजीओ कर्मियों से चर्चा कर सुझाव दिये गये। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य था:

- समितियों द्वारा निष्पादित किये जा रहे कार्यों की आंकलन करना।
- स्वयं सहायता समूहों के गठन, उन्मुखीकरण एवं ग्रेडिंग।
- आय सृजन गतिविधियों हेतु रिवॉल्विंग फण्ड का प्रबंधन।
- NGO द्वारा समूह गतिविधियों हेतु व्यापार योजना बनाने की प्रक्रिया का विश्लेषण।
- कृषिवानिकी गतिविधि हेतु स्वयं सहायता समूहों के गठन एवं उनका प्रशिक्षण।
- डूंगरपुर में कैटल फीड प्रोडक्शन सेंटर स्थापित करने हेतु सर्वेक्षण।
- बांसवाड़ा में फार्मर्स प्रोड्यूसर्स आर्गेनाइजेशन के गठन की संभावनायों के प्रयास।

दौरे के दौरान उपरोक्त सभी बिंदुओं पर मंडल प्रबंधन इकाई अधिकारियों, फील्ड स्टॉफ, NGO कर्मचारियों एवं समितियों/समूह सदस्यों से चर्चा की गई तथा समितियों/समूहों द्वारा संधारित रेकॉर्डों की जांच उपरान्त आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

स्वयं सेवी संस्थाओं के लिए आवश्यक सुझाव

गत तिमाही में निदेशालय अधिकारियों, कर्मचारियों एवं परियोजना सलाहकार द्वारा विभिन्न परियोजना क्षेत्रों के भ्रमण तथा परियोजना गतिविधियों के क्रियान्वयन के निरक्षण के उपरान्त स्वयं सेवी संस्थाओं के लिए आवश्यक **सुझाव/दिशानिर्देश**:

1. NGO द्वारा सभी समितियों एवं स्वयं सहायता समूहों के लेखा संधारण हेतु समय–समय पर आवश्यक क्षमता संवर्धन करना आवश्यक है।

2. NGO द्वारा उन सभी समितियों में नई कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया चालू कर देनी चाहिए जहाँ पर वर्तमान कार्यकारिणी का दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण हो गया है।

3. जिन समितियों के गठन को दो या अधिक वर्षों का समय हो गया हो उन समितियों के माइक्रोप्लान की एक बार फिर से समीक्षा किया जाना अत्यंत आवश्यक है। जिससे समग्र ग्राम विकास के प्रस्तावित कार्यों को शेष वंचित समय में पूर्ण किया जाना सम्भव हो सके।

4. स्वयं सहायता समूह के सदस्यों द्वारा आपसी लेन देन को बढ़ावा देना के लिए NGO को समूह के सभी सदस्यों को इस प्रक्रिया एवं इसके नियमों से अवगत कराते रहना चाहिए।

5. स्वयं सहायता समूह द्वारा आय सृजन गतिविधि के चयन के पश्चात् NGO को चयनित गतिविधि की व्यवहारिकता जाँचने हेतु उस गतिविधि की व्यापार योजना तैयार करना आवश्यक है।

6. स्वयं सहायता समूह द्वारा प्राप्त ऋण राशि का उपयोग व्यापार योजना अनुसार सुनिश्चित करना NGO की जिम्मेदारी है।

अन्य राज्यों में क्रियान्वित परियोजनाओं का अध्ययन

शैक्षणिक भ्रमण – उत्तराखण्ड

वन प्रभाग अलमोड़ा की वन पंचायत द्वारा करवाए गए वन विकास के कार्यो का अवलोकन

श्रीमती नीमा पाण्डे, सरपंच अल्चौना विकास कार्यो की जानकारी देते हुए

राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता परियोजना–2 के अन्तर्गत गठित समितियों के सदस्य उत्तराखण्ड राज्य में वानिकी परियोजना के कार्यों के अवलोकन हेतु काठगोदाम जिला नैनीताल पहुंचा। दल ने सबसे पहले लड़ियाकाटा पौधालय, वन प्रभाग नैनीताल का अवलोकन किया। नर्सरी इंचार्ज श्री सतीश सिंह बोहरा, वनरक्षक तथा श्री दीपक लोहनी डिप्टी रेंजर व रेन्जर हरीश राम आर्य ने बताया कि इस नर्सरी को हाईटेक बनाया गया है। इस नर्सरी में वर्मी कम्पोस्ट भी बनाया जा रहा है। जिसकी खाद इसी नर्सरी में काम ली जाती है। नर्सरी में सेलिक्स, बांस हरड़, बहेड़ा, पदम, बांज, तेजपता, आंवला, तिमूर, देवदार, चीड़, इत्यादि पौधे तैयार किये जा रहे हैं।

इसके बाद भ्रमण दल द्वारा रेंज मुक्तेश्वर की अलचोना वन पंचायत के वृक्षारोपण कार्य देखे गये। जाइका परियोजना में काम कर रहे मार्केटिंग एक्सपर्ट श्री के.एन. दुमका ने बताया कि वन पंचायत अल्चौना में 2 स्वयं सहायता समूह बनाये गये हैं, जिनमें अचार, जैम, जूस, हवन सामग्री, धूप तथा मशरूम उत्पादन के काम हाथ में लिये जायेंगे। वन पंचायत सरपंच अल्चौना श्रीमती नीमा पाण्डे ने साथ रहकर दल को भ्रमण कराया।

दल द्वारा वन पंचायत धानारोली में जल संरक्षण हेतु बनाई गई चाल खाल का कार्य देखा। यह चाल रवाल प्राकृतिक पानी के स्त्रोत (नाले) पर 20 मी. लम्बी, 16 मी. चौड़ी तथा 1.5 मी. गहरी बनाई गई है। इसके नीचे के ढ़ाल पर 10 मी. दूरी पर 12 मी. लम्बी, 2 मी. चौड़ी तथा 2 मी. ऊंचाई की दीवार बनाकर जलकुण्ड बनाया गया है। जिसके नीचे से झरने के रूप में पानी बह रहा था जो पानी के प्राकृतिक स्त्रोत को पुनर्जीवित करने का बहुत ही अच्छा उदाहरण है। तदुपरान्त मंज्यूली वन पंचायत सरपंच तथा सदस्यों से विचारों का आदान–प्रदान हुआ। मंज्यूली सरपंच ने बताया कि उनके यहां पर 2 स्थानीय देवताओं एडी तथा भूमिया के नाम पर 2 स्वयं सहायता समूह गठित किये गये हैं जिसमें फल पट्टी व सब्जी पट्टी का विकास किया जावेगा।

इसके बाद रेंज जगेश्वर, वन प्रभाग, अलमोड़ा की वन पंचायत भगरतौला में किये जा रहे वन विकास कार्यों का अवलोकन किया। इस वन पंचायत में 5 चाल खाल बनाये गये हैं तथा 10 हेक्टर क्षेत्र में इको रेस्टारेशन का कार्य करवाया गया है। वन पंचायत भगरतौला के सरपंच श्री देवाधर पाण्डे ने बताया कि पौधरोपण में स्थानीय ग्रामवासियों के जुडाव व उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए केवल ग्राम की महिलाओं द्वारा पौधारोपण किया गया है।

भ्रमण दल द्वारा जागेश्वर हर्बल गार्डन का भी अवलोकन किया गया जो कि मुख्यमंत्री जड़ी बूंटी विकास योजना के अंतर्गत वर्ष 2010 में बनाया गया था। यहां थूनेर, बज्रदन्ती, वन अजवायन, पाषाणभेद, किलमोड़ा, घिंघारू, ब्राहमी, बंच व अनेक प्रकार की जड़ी बूंटिया लगाई गई है। यह जड़ी बूंटियों के संरक्षण व विकास हेतु एक सराहनीय प्रयास है।

इसके बाद रेसक्यू सेन्टर अलमोड़ा का भ्रमण किया गया जहां पर घायल वन्य जीवों का उपचार किया जाकर उनको संरक्षित किया जाता है। यहीं पर एक जू भी हे जिसमें काफी सारे पर्वतीय जानवर रखे गये हैं तथा अंत में वन चेतना केन्द्र अलमोड़ा में वन प्रभाग अधिकारी अलमोड़ा श्री आर.सी. शर्मा, एसीएफ श्री अमरेश कुमार तथा क्षेत्रीय वन अधिकारी व चेतना केन्द्र अलमोड़ा व स्थानीयवनविभाग के कर्मचारियों के साथ जायका परियोजना में वन प्रभाग अलमोड़ा में कराये जा रहे विकास कार्यों तथा एसएचजी गठन, वन पंचायत इत्यादि तथा राजस्थान की आरएफबीपी–2 योजना, यहां के एस.एच.जी. तथा वी.एफ.पी.एम.सी. के गठन इत्यादि के बार में विस्तार पूर्वक विचारों का आदान–प्रदान किया गया।

हाईटेक नर्सरी लड़ियाकांटा पौधशाल में पौध तैयारी

सफलता की कहानियाँ

टेन्ट हाऊस व्यवसाय से जीविकोपार्जन

मण्डल प्रबन्धन ईकाई, नागौर के वन रेंज परबतसर के ग्राम किनसरिया में 15 जुन 2013 को अम्बिका स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया। इस समूह में कुल 10 नवयुवक सदस्य शामिल हुये। यह लोग केवल दैनिक मजदूरी पर निर्भर थे एवं गांव से बाहर मकराना एवं किशनगढ में दैनिक मजदूरी करने जाते थे। किसी भी प्रकार से अन्य व्यवसाय से नहीं जुड़े हुए थे। दैनिक मजदूरी से जिविकोपार्जन कठिन हो रहा था। जब गैर सरकारी संस्था के सहयोग से समूह में स्थायी प्रवृति का कार्य करने एवं सदस्यों की आय सृजन करने हेतु गतिविधियो पर चर्चा हुई तो समूह के ही एक सदस्य ने टेन्ट हॉउस खोलने का सुझाव दिया। क्योंकि गांव किनसरिया के आस पास 7–8 गांवो में टेन्ट हॉउस नही होने के कारण भारी भरकम राशी देकर परबतसर शहर से टेन्ट बुक किये जाते थे। सदस्यो द्वारा यह तय किया गया कि यह अच्छा रोजगार का साधन है। शुरूआत में सभी सदस्यो ने 10–10 हजार रूपये एकत्र किये और परियोजना की ओर से 50000/– का रिवोल्विंग फंड प्राप्त किया इस प्रकार कुल 1.50 लाख से गांव में ही टेन्ट हाउस का सामान लाया गया। शादी विवाह एवं अन्य सामाजिक समारोह में अच्छी बुकिंग मिलने से समूह के सदस्य अब दैनिक मजदूरी पर निर्भर नही रहने लगे। स्वयं की मजदूरी निकालकर 3500–4000 तक अतिरिक्त आय प्राप्त करने लगे एवं इसी आय में से 100 रूपये प्रति माह प्रति सदस्य समूह के खाते में जमा कराने लग गये।

नवम्बर 2016 तक समूह कि कुल बचत 53000 रूपये बैक खाते में जमा है। समूह के सदस्य आगामी समय में बैक से और अधिक ऋण प्राप्त कर टैन्ट हॉउस के व्यवस्याय को और बढाना चाहते हैं।

सफलता की कहानियाँ

कृषि वानिकी द्वारा आय अर्जन

राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता परियोजना फेज–2 के अन्तर्गत बीकानेर के मण्डल प्रबंधन इकाई स्टेज–2 के अधीन कार्यरत नवयुग विकास एवं अनुसंधान संस्थान, बीकानेर द्वारा दिनांक 20.03.2015 को गांव बीठनोक मे वानिकी आईमाता स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया था जिसकी अध्यक्ष श्रीमती मैना कंवर, सचिव धनी कंवर व कोषाध्यक्ष सरोज कंवर एवं 7 महिला सदस्य है साथ ही संबधित समूह का बचत खाता भी स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एवं जयपुर शाखा बीठनोक में दिनांक 21.11.2015 को खोला गया जिसमें प्रति महिला द्वारा 100/– रुपये बचत प्रतिमाह खाते में जमा करवाई जाती है। उक्त समूह की चार महिलाओं को दिनांक 18.03.2016 को स्वामी केश्वानंद कृषि विश्वविद्यालय में उद्यानिकी विभाग में नर्सरी प्रबंधन पर प्रशिक्षण करवाया गया जहां पौध तैयार करने कि विधियां बताई गई तथा ग्राफटिंग एवं कटिंग इत्यादी के बारे में भी बताया गया उसके बाद उक्त समूह ने अपने गांव में एक नर्सरी तैयार की जिसमें इन्होंने 12500 पौधे तैयार किए इनमें से 10000 पौधे वन विभाग को सप्लाई किए गए जिसमें 4875 टोटलिस, 2775 खेजड़ी, 725 कुमटा व 1625 बेर के पौधे दिए गए उक्त पौधो को तैयार करने हेतु विभाग से 28,000/– की राशि ऋण परियोजना के तहत समिति से ली गई व पौधे तैयार कर वन विभाग को विक्रय किये गये जिसमें समूह को कुल 50,000/– रुपये प्राप्त हुए जिसमें 28,000/– रुपये ऋण की राशि चुकाने के पश्चात कुल 20,000/– रुपये का लाभ प्राप्त हुआ। आईमाता स्वयं सहायता समूह आगामी विभागीय माँग की पूर्ती हेतु 17000 पौधे तैयार कर रहा है तथा इसके अतिरिक्त सजावटी पौधे भी तैयार किए जा रहे है। समूह द्वारा प्रथम बार पौधे तैयार किए जाने एवं समूह को लाभ प्राप्त होने के कारण समूह में उत्साह का माहौल है तथा सभी महिलाएं समान रुप से प्रयास कर रही हैं।

Physical Progress for the period October 2016 to December 2016

S. No.	Items	Unit	Target as per Project Report	Achievement up to FY 2015-16	FY 2016-17						Cummulative Achievement
					Target		Achievement			Total 2016-17	
					BE	RE	1st Quarter (April'16 to June'16)	2nd Quarter (July'16 to Sept.'16)	3rd Quarter (Oct.'16 to Dec.'16)		
1	**Afforestation Work**										
a.	Advance Action	Ha.	83650	78068	5358	5608			272	272	78340
b.	Planting	Ha.	83650	51511	26807	26407	1125	24410	872	26407	77918
2	**Water Conservation Structures**										
a.	Anicut Type-I	Nos.	600	30	580	315	5	8	1	14	44
b.	Anicut Type-II	Nos.	400	63	233	300	2			2	65
c.	Check Dams	Cumt.	200000	134670	68629	61000	29742	24896	1459	56097	190767
d.	Contour bonding	Rmt.	500000	340311	174837	145000	62653	64275	15410	142338	482649
e.	Percolation Tank	Nos.	700	434	266	266	106	121	14	241	675
f.	Renovation / restoration of TWHS	Nos.	200	130	66	70	14	36	2	52	182
g.	Silt Detention Structure	Nos.	300	213	87	87	33	12	8	53	266
h.	Gabion Structures	Nos.	500	331	171	172	51	45	8	104	435
3	**Biodiversity Conservation**										
a.	DLT Works	Ha.	12000	9161	2839	1835	1002	512	66	1580	10741
b.	Development of Water Points	Nos.	100	100			NIL				100
c.	Closure for Biodiversity Conservation	Ha.	5000	4205	795	795	60	397	274	731	4936

Financial Progress for the period October 2016 to December 2016

Rs. In Lacs.

S.No.	Package / Budget Head	Expenditure upto FY 2015-16	FY 2016-17						Cummulative Expenditure
			BE	RE	Exp. April'16 to June'16	Exp. July'16 to Sept.'16	Exp. Oct.'16 to Dec.'16	Total Expenditure 2016-17	
1	Afforestation	35528.36	12326.31	12334.27	994.42	4161.95	2571.30	7727.67	43256.03
2	Agro Forestry Activities	4.99	42.60	55.97	0.00	1.44	0.00	1.44	6.43
3	Water Conservation Structures	2048.13	3689.55	3458.08	336.52	320.11	148.40	805.03	2853.16
4	Biodiversity Conservation	9048.62	1556.04	1344.92	276.04	340.94	203.28	820.26	9868.88
5	Poverty Alleviation and Livelihood Improvement	361.66	312.00	244.00	0.00	6.89	7.70	14.59	376.25
6	Capacity Building, Training & Research	167.62	258.12	125.82	0.00	5.03	16.83	21.86	189.48
7	Community Mobilisation	3819.41	815.30	1488.99	40.06	202.81	100.50	343.37	4162.78
8	Project Management	1571.36	505.70	491.75	32.43	77.29	42.37	152.09	1723.45
9	Monitoring & Evaluation	148.69	78.00	44.50	0.57	1.66	1.14	3.37	152.06
10	Contractual Personnel for PMU	742.59	282.00	281.70	58.95	51.54	56.32	166.81	909.40
	Total	**53441.42**	**19865.62**	**19870.00**	**1738.99**	**5169.66**	**3147.84**	**10056.49**	**63497.91**
11	Administrative Cost	467.14	134.38	130.00	28.04	25.94	28.38	82.36	549.50
12	VAT & Import Tax	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	Total	**467.14**	**134.38**	**130.00**	**28.04**	**25.94**	**28.38**	**82.36**	**549.50**
	Grand Total	**53908.56**	**20000.00**	**20000.00**	**1767.03**	**5195.60**	**3176.22**	**10138.85**	**64047.41**

संपादक मण्डल:

संरक्षक
आर.के. गोयल
परियोजना निदेशक

संपादक
अक्षय सिंह
संयुक्त परियोजना निदेशक

सहायक संपादक
आर .के. खैरवा
संजय प्रकाश भादू

संयोजन
संयोग मिश्र

साज-सज्जा
गिरधारी लाल चौधरी

प्रकाशक : राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता परियोजना (फेज–2), अरावली भवन, झालाना संस्थानिक क्षेत्र, जयपुर (राज.) 302004, फोन : 0141–5199660